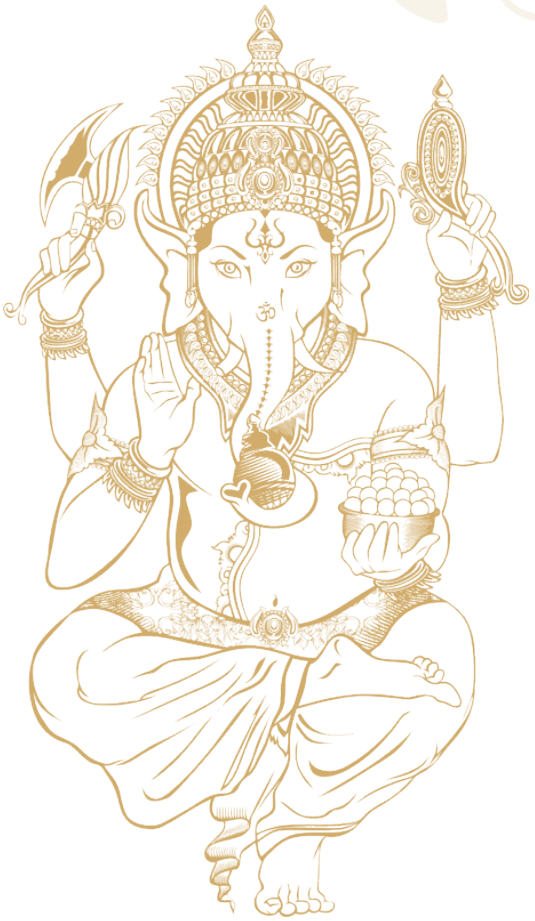

# Praveen Tiwari

06 Feb 2026

09:17 AM

Amethi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121271402

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **06/02/2026** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **09:17:00 घंटे** |
| इष्ट | 06:20:30 घटी |
| **स्थान** | **Amethi** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 26:09:00 उत्तर |
| रेखांश | 81:48:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:02:48 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 09:14:12 घंटे |
| वेलान्तर | -00:14:03 घंटे |
| साम्पातिक काल | 18:19:24 घंटे |
| सूर्योदय | 06:44:47 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:49:15 घंटे |
| दिनमान | 11:04:28 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 23:07:51 मकर |
| लग्न के अंश | 12:29:08 मीन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मीन - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **कन्या - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **हस्त - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | चन्द्र |
| योग | धृति |
| करण | कौलव |
| गण | देव |
| योनि | महिष |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मेष |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | ष-षडबली |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कुम्भ |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मीन | 12:29:08 | 497:53:02 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | मंगल | --- |
| सूर्य | | | मक | 23:07:51 | 01:00:48 | श्रवण | 4 | 22 | शनि | चंद्र | सूर्य | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | कन्या | 15:27:25 | 12:36:22 | हस्त | 2 | 13 | बुध | चंद्र | गुरु | मित्र राशि |
| मंगल | | अ | मक | 16:32:44 | 00:47:04 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | शनि | उच्च राशि |
| बुध | | | कुंभ | 04:22:56 | 01:45:49 | धनिष्ठा | 4 | 23 | शनि | मंगल | शुक्र | सम राशि |
| गुरु | व | | मिथु | 22:35:26 | 00:06:00 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | शनि | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | कुंभ | 00:25:22 | 01:15:13 | धनिष्ठा | 3 | 23 | शनि | मंगल | बुध | मित्र राशि |
| शनि | | | मीन | 04:56:16 | 00:06:12 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | सम राशि |
| राहु | | | कुंभ | 14:51:04 | 00:01:46 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | मित्र राशि |
| केतु | | | सिंह | 14:51:04 | 00:01:46 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | वृष | 03:14:17 | 00:00:07 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 06:03:49 | 00:01:47 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | बुध | --- |
| प्लूटो | | | मक | 09:38:09 | 00:01:53 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | धनु | 10:13:45 | -- | मूल | -- | 19 | गुरु | केतु | शनि | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

## लग्न-चलित

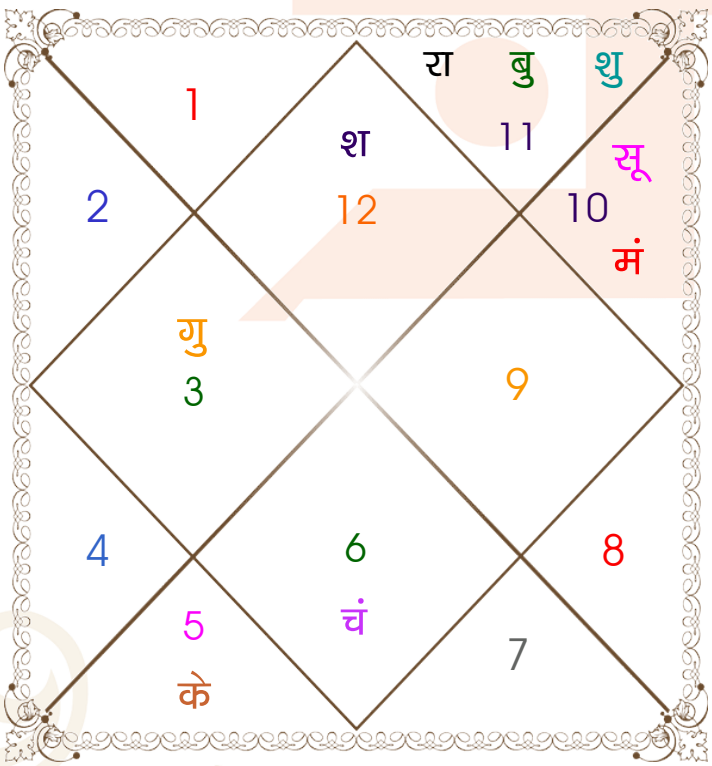


## चन्द्र कुंडली

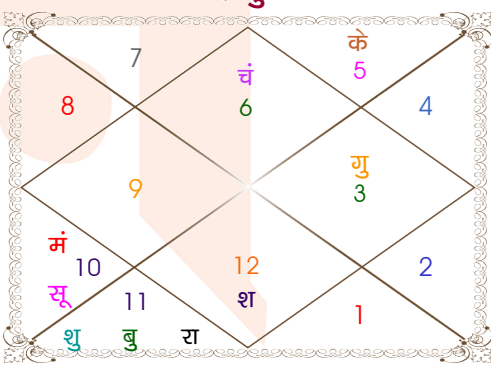


## नवमांश कुंडली

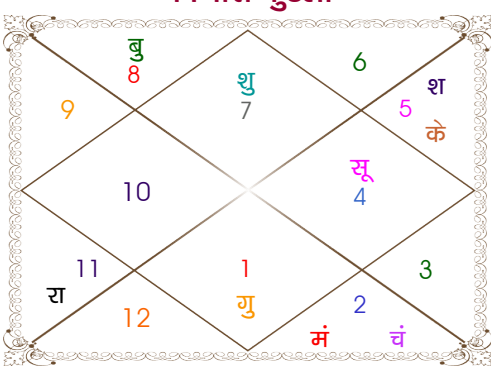

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 10 मास 26 दिन

| चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 06/02/2026 | | 03/01/2032 | | 03/01/2039 | | 03/01/2057 | | 03/01/2073 | |
| 03/01/2032 | | 03/01/2039 | | 03/01/2057 | | 03/01/2073 | | 03/01/2092 | |
| | 00/00/0000 | मंगल | 01/06/2032 | राहु | 15/09/2041 | गुरु | 21/02/2059 | शनि | 07/01/2076 |
| | 00/00/0000 | राहु | 19/06/2033 | गुरु | 09/02/2044 | शनि | 03/09/2061 | बुध | 16/09/2078 |
| | 06/02/2026 | गुरु | 26/05/2034 | शनि | 16/12/2046 | बुध | 10/12/2063 | केतु | 25/10/2079 |
| गुरु | 04/04/2026 | शनि | 05/07/2035 | बुध | 04/07/2049 | केतु | 15/11/2064 | शुक्र | 25/12/2082 |
| शनि | 04/11/2027 | बुध | 01/07/2036 | केतु | 23/07/2050 | शुक्र | 17/07/2067 | सूर्य | 07/12/2083 |
| बुध | 04/04/2029 | केतु | 27/11/2036 | शुक्र | 23/07/2053 | सूर्य | 04/05/2068 | चंद्र | 07/07/2085 |
| केतु | 03/11/2029 | शुक्र | 27/01/2038 | सूर्य | 16/06/2054 | चंद्र | 03/09/2069 | मंगल | 16/08/2086 |
| शुक्र | 05/07/2031 | सूर्य | 04/06/2038 | चंद्र | 16/12/2055 | मंगल | 10/08/2070 | राहु | 22/06/2089 |
| सूर्य | 03/01/2032 | चंद्र | 03/01/2039 | मंगल | 03/01/2057 | राहु | 03/01/2073 | गुरु | 03/01/2092 |

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/01/2092 | | 04/01/2109 | | 04/01/2116 | | 04/01/2136 | | 04/01/2142 | |
| 04/01/2109 | | 04/01/2116 | | 04/01/2136 | | 04/01/2142 | | 00/00/0000 | |
| बुध | 01/06/2094 | केतु | 02/06/2109 | शुक्र | 06/05/2119 | सूर्य | 23/04/2136 | चंद्र | 04/11/2142 |
| केतु | 29/05/2095 | शुक्र | 02/08/2110 | सूर्य | 05/05/2120 | चंद्र | 23/10/2136 | मंगल | 05/06/2143 |
| शुक्र | 29/03/2098 | सूर्य | 08/12/2110 | चंद्र | 04/01/2122 | मंगल | 28/02/2137 | राहु | 04/12/2144 |
| सूर्य | 03/02/2099 | चंद्र | 09/07/2111 | मंगल | 06/03/2123 | राहु | 22/01/2138 | गुरु | 07/02/2146 |
| चंद्र | 05/07/2100 | मंगल | 05/12/2111 | राहु | 06/03/2126 | गुरु | 10/11/2138 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 02/07/2101 | राहु | 23/12/2112 | गुरु | 04/11/2128 | शनि | 23/10/2139 | | 00/00/0000 |
| राहु | 20/01/2104 | गुरु | 28/11/2113 | शनि | 04/01/2132 | बुध | 29/08/2140 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 27/04/2106 | शनि | 07/01/2115 | बुध | 04/11/2134 | केतु | 04/01/2141 | | 00/00/0000 |
| शनि | 04/01/2109 | बुध | 04/01/2116 | केतु | 04/01/2136 | शुक्र | 04/01/2142 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 11 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।